भजन

तर्ज– इश्क में हुआ क्या हंसी सितम

खेल में हुआ क्या हंसी सितम,
दिल में हो पिया तन में है हुकम
1 आप हैं बसे, दिल में रूहों के,
नजर में आ रही ये नजाकतें
सुरता जब लगे रूह पल में जगे,
पर न उड़ सके आड़े है ये तन
2 पिया से जा मिलें,लगन ये रूह की
उड़ सके ना पर,बंधी ये हुकम की
ये कैसी बेबसी, रूह बिलख रही
जीव छोड़े न,कर रही यतन
3 खेल में वो ही,है देखा रूहों ने
जो दिल में था लिया,दिखाया आपने
हुई बड़ी हंसी,गुनाहों में फंसी
जो जानों त्यों करो,है आपका हुकम
4 लेने आए हो,ले जावो आप ही
ये काम आपका,करेंगे आप ही
जुदा न अब रहें,असल में सब मिलें
हो आपका हुकम,पायें मूल तन